नाकोड़ा वाले सुन लेना एक सवाल दीवाने का

नाकोड़ा वाले सुन लेना एक सवाल दीवाने का,
अगर समझ में आ जाए, तो भक्तो को समझा देना ।
हमने अपना नियम निभाया, नाकोड़ा पैदल आने का,
दादा तेरा क्या फ़र्ज़ नहीं भक्तो के घर आने का ॥

जिसका घर छोटा सा हो, क्या उसके घर नहीं आते,
या फिर मुझसे प्रेम नहीं, क्यों मेरे घर नहीं आते ।
अब इतना बतलादो दादा कैसे तुझे मनाने का,
दादा तेरा क्या फ़र्ज़ नहीं भक्तो के घर आने का ॥

ऐसा रास्ता ढूंढ़ लिया रोज मिले तो चैन आए,
इक दिन मिलने तुम आयो, इक दिन मिलने हम आए ।
अब तो पक्का सोच लिया घर नाकोड़ा में बनाने का,
दादा तेरा क्या फ़र्ज़ नहीं भक्तो के घर आने का ॥

जिसका जिसका घर देखा वो क्या तेरे लगते हैं,
रिश्तेदारी में दादा वो क्या हमसे बढ़के हैं ।
क्या मेरा हक्क नहीं बनता है तुझको घर पे बुलाने का,
दादा तेरा क्या फ़र्ज़ नहीं भक्तो के घर आने का ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19877/title/nakoda-vale-sun-lena-ek-sawal-deewane-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |